कोयतुरो की बुलंद आवाज़

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

सुविचार -
कोई भी महान व्यक्ति अवसरों की कमी के बारे में शिकायत नहीं करता.
- राल्फ वाल्डो एमर्सन

शनिवार 11जनवरी 2025 | RNI: UDYAM-CG-11-0005844 | website: koyturtimes.com

भलौर कोयतुर आस्था केंद्र पर प्रशासनिक कार्यवाही को लेकर गोंडवाना समाज ने जताई घोर आपत्ति कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मनेन्द्रगढ़,भलौर: ग्राम पंचायत भलौर में आदिवासी समाज द्वारा स्थापित धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल 'फड़ापेन ठाना' तथा गोंडवाना सांस्कृतिक मैदान पर जिला प्रशासन की कार्रवाई ने कोयतुर समाज की भावनाओं को गहरा आघात पहुंचाया है। प्रशासन ने जेसीबी मशीन का उपयोग करते हुए इस स्थल को समतल कर जिला विपणन संग्रहण केंद्र बनाने की प्रक्रिया शुरू की है। इस कार्रवाई से गोंडवाना समाज और कोया पुनेम गोंडवाना महासभा के गोडवाना गणतंत्र पार्टी एवं GSU एमसीबी ने इसे आदिवासी आस्था और सांस्कृतिक विरासत पर सीधा प्रहार बताया है। और इसके विरोध में गोंडवाना समाज के संगठनों ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन दिया । इसी दौरान गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह स्थल पिछले 25-26 वर्षों से समाज की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। यहां हर साल दीपावली के अवसर पर सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जो समाज की एकता और परंपराओं को जीवंत बनाए रखता है। प्रशासन की इस कार्रवाई ने न केवल कोयतुर समाज की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है, बल्कि उनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को भी नुकसान पहुंचाया है। कोया पुनेम गोंडवाना महासभा एमसीबी ने इस कदम को संविधान की पांचवीं अनुसूची और ग्राम पंचायत अधिनियम 1996 के प्रावधानों का उल्लंघन बताया है। इन प्रावधानों के तहत इन क्षेत्रों में जल, जंगल, जमीन और सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई है। बावजूद इसके, प्रशासन ने सतरंगी धार्मिक झंडे और आस्था के इस केंद्र को नष्ट कर दिया, जिससे समाज में गहरी नाराजगी है। कोया पुनेम गोण्डवाना महासभा ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए प्रशासन से मांग की है कि फड़ापेन ठाना स्थल को स्वतंत्र और सुरक्षित रहने दिया जाए। साथ ही, इस स्थल पर चल रहे निर्माण कार्य को तत्काल रोका जाए। इसके साथ ही समाज ने भी चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। प्रशासन से आग्रह है किया है कि आदिवासी समाज की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान करे और उनकी भावनाओं से खेलवाड़ न करें।

इस आंदोलन में प्रदेश अध्यक्ष गोगपा संजय कमरों, अमर सिंह परस्ते संभागीय मंत्री, केवल मरकाम जिला अध्यक्ष गोगपा, जगजीवन उईके जिला अध्यक्ष कोया पुनेम गोंडवाना महासभा, इस्माइल खान जिला महासचिव गोगपा, वीर सिंह उईके GSU Mcb, अरविंद यादव आईटी सेल प्रदेश अध्यक्ष गोगापा, वीर सिंह उईके GSU Mcb और दीपक मरावी प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा के साथ मातृशक्ति, पितृशक्ति और युवाशक्ति उपस्थित थे ।

केल्हारी में तहसीलदार ने की कार्रवाई अवैध धान परिवहन करते वाहन जप्त

एमसीबी: कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन पर ग्राम केल्हारी में तहसीलदार ने राजस्व स्टाफ के साथ भ्रमण के दौरान अवैध धान परिवहन पर बड़ी कार्रवाई की। तहसीलदार को पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 65 जीए 2430 में 65 बोरी धान लोड कर ले जाते हुए पाया गया। वाहन चालक सुरेश कोल पिता रामनाथ निवासी ग्राम बिछियाटोला से जब धान परिवहन के संबंध में टोकन और आवश्यक दस्तावेज मांगे गए, तो वह समाधानकारक जवाब नहीं दे सका। दस्तावेजों के अभाव में तहसीलदार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 65 बोरी धान और वाहन को जप्त कर लिया। तहसीलदार ने स्पष्ट किया कि प्रशासन किसी भी तरह के अवैध परिवहन पर कड़ी नजर रखे हुए है ।

ब्रेकिंग न्यूज

नगरीय निकाय एवं त्रि स्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर हुआ बैठक

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी और छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना का जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

कोरबा: कल 10 जनवरी को आगामी नगरीय निकाय एवं त्रि स्तरीय पंचायत चुनाव और संगठन विस्तार के विषय को लेकर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी और छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना का अति महत्वपूर्ण जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न हुवा । बैठक में जिले के प्रत्येक खंड से जेसीपी एवं सीकेएस संगठन के सैकड़ो सेनानी एवं महिला पदाधिकारी उपस्थित रहे । सभी ने एक राय होकर आगामी नगरीय निकाय चुनाव एवं त्रि स्तरीय पंचायती चुनाव में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रत्यासी उतारने एवं अपने प्रत्यासी को विजयी बनाने हर संभव प्रयास करने का वचन दिए। साथ ही संगठन विस्तार के लिए सघन जनसंपर्क करने की योजना बनी । बैठक में प्रमुख रूप से जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री सुरेन्द्र राठौर, जिला अध्यक्ष जैनेन्द्र कुर्रे, जिला महामंत्री बादल दुबे, जिला संगठन मंत्री सुरेश पटेल, दीपका अध्यक्ष नोभित लाला साहू, छुरी अध्यक्ष देव हंस, महावीर यादव जेसीपी महिला जिला अध्यक्ष चंचल महंत,जिला उपाध्यक्ष सुनीता खूंटे, सुमित्रा महंत साथ ही पार्टी के सैकड़ो सदस्य और छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना जिला अध्यक्ष सुरजीत सोनी, जिला संयोजक नवल साहू, ओम केवट, बसंत चंद्राकर, राजा श्रीवास, राकेश, महिपाल, कन्हैय्या, देव गोड, सागर सहित सैकड़ों सेनानी उपस्थित थे । जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी का विस्तार करते हुए रामपुर खंड के अध्यक्ष की जिम्मेदारी प्रदीप बांधे को सौपी गयी ।

छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के पदाधिकारी

संयुक्त टीम ने अवैध धान परिवहन करने वाले पर की जब्ती की कार्रवाई

एमसीबी: केल्हारी तहसीलदार करमचंद जाटवर के जानकारी अनुसार विगत दिवस छेरता धार पसौरी बेरियर में सायं 8:45 बजे निरीक्षण के दौरान राजस्व निरीक्षक राम प्रताप सिंह के द्वारा मध्य प्रदेश से सीमा अनिल चक्रधारी पिता भण्डारी लाल चक्रधारी निवासी बंधवा टोला तहसील कोतमा जिला अनूपपुर के द्वारा ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 65 ए ए 1683 में 108 बोरी बिना अनुमति के अवैध धान परिवहन करने पर जब्ती की कार्यवाही की गयी। जिसका पंचनामा तैयार कर जब्त की गयी धान को धान खरीदी केन्द्र डोडकी प्रभारी के सुपुर्द किया गया। इस जब्ती की कार्यवाही में राजस्व एवं पुलिस के संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही की गई। तहसीलदार के सी. जाटवर, थाना प्रभारी टिकेश्वर यादव, राजस्व निरीक्षक राम प्रताप सिंह, प्रधान आरक्षक ललित यादव एवं पटवारी सूरज किस्पोट्टा का विशेष योगदान रहा।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का प्रदेशस्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

सूरजपुर: गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का प्रदेशस्तरीय समीक्षा बैठक जिला मुख्यालय सूरजपुर के ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। इस बैठक में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के हजारों पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में बलरामपुर, सूरजपुर, सरगुजा, कोरिया, एमसीबी और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिलों के जिलाध्यक्षों ने अपनी संगठनात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत की। अन्य संभागों में भी जल्द समीक्षा बैठक आयोजित करने और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में गोंगपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पाली-तानाखार के विधायक माननीय तुलेश्वर सिंह मरकाम उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महासचिव श्याम सिंह मरकाम, राष्ट्रीय प्रवक्ता जयनाथ सिंह केराम, राष्ट्रीय महामंत्री संतोष चंद्राकर, और कार्यवाहक प्रदेशाध्यक्ष कुलदीप प्रजापति उपस्थित थे। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष इंजीनियर संजय कमरो ने की। बैठक का संचालन प्रदेश महासचिव (युवा मोर्चा) सुश्री रितु पंदराम ने किया और कार्यक्रम की व्यवस्था की जिम्मेदारी भी उन्होंने निभाई। इस बैठक में सरगुजा के जिलाध्यक्ष नवल सिंह वरकड़े, सूरजपुर के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष देवसाय पोया, कोरिया के जिलाध्यक्ष राजाराम जातां, बलरामपुर के जिलाध्यक्ष रामदिन सरूता, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के जिलाध्यक्ष हेमचंद मसराम, और एमसीबी के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष ने सक्रिय भागीदारी निभाई। बैठक में संगठन को मजबूत करने, पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाने और जनसमर्थन को बढ़ाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन ने पार्टी के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। पार्टी के नेतृत्व ने आश्वासन दिया कि संगठन भविष्य में और अधिक प्रभावी ढंग से अपने उद्देश्यों को पूरा करेगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नगपुरा में किया वृक्षारोपण

दुर्ग: केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के साथ दुर्ग जिले के नगपुरा स्थित रेस्ट हाऊस में वृक्षारोपण कर छत्तीसगढ़ राज्य में एक पेड़ मां के नाम अभियान को बढ़ावा देने के साथ ही लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। गौरतलब है कि

विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की थी। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण को शुद्ध और हरा-भरा बनाना है। अभियान के तहत देशभर में मार्च 2025 तक 140 करोड़ पौधों का रोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य में 4 जुलाई 2024 को एक पेड़ मां के नाम महावृक्षारोपण अभियान की

ने नागरिकों से अपनी माता के सम्मान में पौधा लगाने और वृक्षारोपण स्थलों का नाम स्थानीय देवी-देवताओं के नाम पर रखने का आह्वान किया है। यह पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सांस्कृतिक और पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देने की अभिनव पहल है। छत्तीसगढ़ राज्य में इस अभियान के तहत 4 करोड़ पौधों का रोपण किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि "पेड़-

और फल देते हैं। धरा को हरा-भरा बनाए रखने और जीवन बचाने के लिए वृक्षारोपण बेहद जरूरी है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम पेड़ लगाएं, उनकी सुरक्षा करें और पर्यावरण को संरक्षित करें। राज्य में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत स्कूलों, छात्रावासों, आंगनवाड़ी केंद्रों, पुलिस चौकियों, अस्पतालों, सरकारी और निजी संस्थानों की खाली जमीनों में पौधरोपण किया जा रहा है।

आवास योजना के लाभार्थियों का पांव पखार कर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज चौहान और मुख्यमंत्री श्री साय ने किया अभिनंदन

दुर्ग: केंद्रीय कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दुर्ग जिले के ग्राम नगपुरा में आयोजित मोर आवास मोर अधिकार कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जनमन योजना, नियद नेल्ला नार योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों का पांव पखारकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री द्वय श्री अरूण साव और श्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम सहित अन्य अतिथियों ने भी आवास योजना के लाभार्थियों का पांव पखार कर अभिनंदन किया।

केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भगवान श्री पार्श्वनाथ की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की

दुर्ग: केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दुर्ग जिले के नगपुरा स्थित प्रसिद्ध जैन मंदिर में 23वें तीर्थंकर भगवान श्री पार्श्वनाथ की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री द्वय श्री अरुण साव और श्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

ब्रेकिंग न्यूज

फोर्टीफाइड चावल के अवैध भंडारण के मामले में तीन दुकानें सील

रायपुर: अम्बिकापुर जिले की संयुक्त प्रशासनिक टीम ने फोर्टीफाइड चावल के अवैध भंडारण और परिवहन के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। राजस्व, खाद्य, मंडी और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने कल खरसिया नाका स्थित साईं ट्रेडर्स में दबिश देकर 310 क्विंटल फोर्टीफाइड चावल से लदे ट्रक को जब्त किया। यह चावल सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत वितरित किया जाना था, लेकिन इसे अवैध रूप से लोड कराया जा रहा था। एसडीएम अम्बिकापुर ने बताया कि शुक्रवार को कार्रवाई जारी रखते हुए खरसिया नाका स्थित श्रीराम ट्रेडर्स और बंसल ट्रेडर्स में भी दबिश दी गई। जांच के दौरान साईं ट्रेडर्स में 8 क्विंटल, श्रीराम ट्रेडर्स में 130 क्विंटल और बंसल ट्रेडर्स में 45 क्विंटल फोर्टीफाइड चावल का अवैध भंडारण पाया गया। प्रशासनिक टीम ने तत्काल चावल को जब्त करते हुए तीनों दुकानों को सील कर दिया। इस कार्रवाई में जिला खाद्य अधिकारी श्री चित्रकांत ध्रुव, तहसीलदार श्री उमेश बाज, नायब तहसीलदार श्री निखिल श्रीवास्तव सहित मंडी और पुलिस विभाग के अधिकारी शामिल थे। कलेक्टर श्री विलास भोसकर फोर्टीफाइड चावल का अवैध भंडारण और परिवहन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को इस तरह की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि फोर्टीफाइड चावल पोषण बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया जाता है, जिसे पीडीएस के माध्यम से राशन कार्डधारी जरूरतमंद परिवारों को वितरित किया जाता है।

अंतिम छोर के व्यक्ति तक सुशासन पहुंचाने हमारी सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

Koytur times

रायपुर: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से गांव-गांव में घर-घर तक एलपीजी गैस कनेक्शन पहुंचा है, जिससे हमारे पेड़ भी सुरक्षित हैं, हमारे वन भी सुरक्षित हैं और हमारा पर्यावरण भी सुरक्षित है। इससे हमारी माता - बहनें भी धुंए से होने वाली परेशानियों से सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री आज राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में छत्तीसगढ़ इंडेन एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन एवं एलपीजी वितरकों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री सहित अतिथियों ने 25 वर्षों से गैस कनेक्शन वितरण और रिफिलिंग का कार्य कर रहे एलपीजी वितरकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि आप लोगों ने शुरआती चुनौती भरे दौर में लोगों को गैस कनेक्शन देने का जो कार्य किया, उसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। आज घरेलू गैस की सुविधा जिस तरह से आसान हुई है, उसके पीछे भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ ही इस कार्य से जुड़े डिस्ट्रीब्यूटर्स की भी अहम भूमिका है। हाल के वर्षों में घरेलू गैस उपभोक्ताओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की उज्ज्वला योजना के चलते बड़ी संख्या में उपभोक्ता जुड़े। वर्तमान में इस योजना के 12 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे इंडेन के डीलर शहरी क्षेत्रों में तो हैं ही, वे आदिवासी क्षेत्रों में भी पूरे लगन से अपनी सेवा दे रहे हैं।

उज्ज्वला योजना आज सबसे सफल योजना

उज्ज्वला योजना आज सबसे सफल योजना इसलिए बन पाई क्योंकि इंडेन जैसी एजेंसी के डीलर्स का नेटवर्क सबसे अंदरूनी क्षेत्रों तक फैला है। आज जिन डीलर्स का सम्मान हुआ है, उन्होंने उपभोक्ता सेवा के क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया है। उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को धुँए से मुक्ति दिलाई है। इसका श्रेय हमारे प्रधानमंत्री जी को है ही, आपको भी है जिन्होंने हर घर में समय पर इसकी डिलीवरी कराई। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए कहा कि उन दिनों वे स्वयं लकड़ी जला कर खाना बनाते थे। बरसात के दिनों में लकड़ी गीली रहती थी, तब मिट्टी तेल डाल कर लकड़ी जलाना पड़ता था, लकड़ी जलने के समय आंखे लाल हो जाती थी। हम लोगों को रिफिलिंग करने 150 किलोमीटर दूर रायगढ़ आना पड़ता था।

सांसदों को गैस कनेक्शन दिलाने के लिए साल में 100 कूपन मिलते थे।

गैस कनेक्शन के लिए डेढ़ से दो वर्ष इंतजार करना पड़ता था। सांसदों को गैस कनेक्शन दिलाने के लिए साल में 100 कूपन मिलते थे। लोगों में इसके लिए होड़ लगी रहती थी। अटल जी के शासन काल और बाद के समय में इसमें आसानी होती गई, जनता के लिए गैस कनेक्शन लेना आसान हो गया। उन्होंने आदिवासी अंचलों और ग्रामीण क्षेत्रों में रिफिलिंग का परसेंटेज बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने सम्मानित होने वाले सभी वितरकों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में एक वर्ष में शासन - प्रशासन के कार्यों में शुचिता लाने और प्रक्रियागत परिवर्तन लाने का काम बड़े पैमाने पर हुआ है। इससे लोगों को बड़ी आसानी हुई है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि आप लोगों की सक्रियता से घर - घर में एलपीजी गैस कनेक्शन पहुंचा, जिससे जंगलों का संरक्षण हुआ। उन्होंने कहा कि आज देश में 35 करोड़ से ज्यादा गैस कनेक्शन हैं। स्वागत भाषण एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री विकास ने दिया। इंडेन के डिविजनल एलपीजी सेल्स हेड श्री रूपेश राठौर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी और वितरक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पानी प्रकृति का अनमोल उपहार जिसके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सबकी है: मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

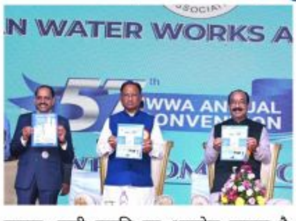

रायपुर: पानी प्रकृति का अनमोल उपहार है, जिसे ईश्वर ने हमें बेमोल दिया है, लेकिन हमें इसका मोल समझना होगा। आज पूरा विश्व जल संकट से जूझ रहा है। देश-दुनिया के कई शहरों में भू जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। यदि समय रहते हम सचेत नहीं हुए तो जल संकट विकराल रूप धारण कर सकता है। हम सभी को पानी की एक-एक बूंद को सहेजना होगा। जल संरक्षण की जिम्मेदारी हम सबकी है। जल प्रबंधन आज समय की मांग है। हमें आने वाली पीढ़ियों के बेहतर जीवन के लिए जल के प्रबंधन, संरक्षण के साथ ही जल स्रोतों के संवर्धन पर विशेष ध्यान देना होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन के 57वें वार्षिक अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वैश्विक जलवायु संकट के परिपेक्ष्य में जल संरक्षण और भी महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण के लिए जल जीवन मिशन, जल शक्ति अभियान, अमृत सरोवर, मिशन अमृत और एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियान शुरू कर जल और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मोदी जी ने प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए हर घर नल से जल योजना शुरू की। हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नल कनेक्शन प्रदान किया है, जिससे लोगों के घरों में साफ पानी पहुंचने से उनका स्वास्थ्य स्तर भी सुधरा है और ग्रामीणों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इंडियन वॉटर एसोशिएसन की स्मारिका का विमोचन किया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश भर से आए इंजीनियर्स, जल संरक्षण के विषय विशेषज्ञ जल संरक्षण के विषय में गहन विचार विमर्श करेंगे और जल संरक्षण के लिए रणनीति तैयार करने में योगदान देंगे। उल्लेखनीय है कि इंडियन वॉटर एसोशिएसन की मेजबानी में दूसरी बार राजधानी रायपुर में 10 से 12 जनवरी तक आयोजित किए जा रहे इस अधिवेशन में जल-360 डिग्री की थीम रखी गई है। अधिवेशन में देश के 400 जल विशेषज्ञ और अनुभवी इंजीनियर शामिल हो रहे हैं। अधिवेशन में जल, अपशिष्ट जल उपचार और सतत प्रबंधन में नवीन टेक्नोलॉजी को शामिल करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

वृद्धजन अपने आप को अकेला मत सोचें, अच्छे से रहे और आज के बारे में सोचें - राज्यपाल श्री रमेन डेका

रायपुर: राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज जिले के प्रवास के दौरान राजनांदगांव स्थित श्री भगवान महावीर समता वृद्धाश्रम में वृद्धजनों से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने वृद्धजनों को फल प्रदान कर उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृद्धजनों के कल्याण के लिए वृद्धा पेंशन योजना संचालित है। वृद्धा पेंशन योजना से सभी वृद्धजनों को लाभान्वित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। राज्यपाल ने समता मंच वृद्धाश्रम को एक लाख रूपए की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की। राज्यपाल ने कहा कि समता मंच द्वारा यह बहुत बड़ा कार्य किया जा रहा है। वृद्धाश्रम में वृद्धजन पारिवारिक एवं अन्य समस्याओं के कारण ही आते हैं और यह समस्या केवल एक क्षेत्र विशेष की नहीं बल्कि पूरे देश की है। उन्होंने यह भी कहा कि वृद्धजन अपने आप को अकेला मत सोचें, यहां अच्छे से रहें और आज के बारे में सोचें, अतीत में क्या हुआ है, उसके बारे में सोचकर दुखी न रहें। इस अवसर पर संरक्षक समता वृद्धाश्रम के संरक्षक श्री गौतम पारख ने बताया कि वर्ष 1995 में इस संस्था की स्थापना की गई। वर्ष 2005 से एक एकड़ में बने भवन में वृद्धाश्रम संचालित किया जा रहा है। तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं वर्तमान के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा इस वृद्धाश्रम के भवन का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया, तब से इस भवन में वृद्धाश्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह संस्था जनसहयोग से चल रही है। जनसहयोग से लगभग एक करोड़ रूपए की सहायता राशि मिल चुकी है। इसके साथ-साथ शासन-प्रशासन का हमेशा सहयोग मिलता रहा है।

ब्रेकिंग न्यूज दुर्ग जिले के ग्राम खपरी में तीन दिवसीय किसान सम्मेलन का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ आने वाले समय में धान के साथ-साथ सब्जी और फलों का भी कटोरा बनेगा: केन्द्र सरकार कृषि के साथ-साथ उद्यानिकी और बागवानी फसलों को दे रही बढ़ावा - केंद्रीय कृषि मंत्री

रायपुर : केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि छत्तीसगढ़ आने वाले समय में धान के साथ-साथ सब्जी और फलों का भी कटोरा बनेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार कृषि के साथ-साथ उद्यानिकी और बागवानी फसलों को बढ़ावा दे रही है। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान आज दुर्ग जिले के ग्राम खपरी में आयोजित तीन दिवसीय किसान सम्मेलन के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने की। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने इस अवसर पर प्रगतिशील किसान संघ द्वारा निर्मित भवन का लोकार्पण तथा प्रशिक्षण केन्द्र का भूमिपूजन किया गया। साथ ही 13 जनवरी से उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के लिए 200 क्विंटल सब्जी से भरे ट्रक को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर किसानों ने केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान को गजमाला पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ में किसानों को समृद्ध बनाने तथा उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन एवं अनुदान हेतु 203 करोड़ रूपए जारी किए गए हैं। उन्होंने किसानों से अरहर, मूंग, उड़द फसलों के उत्पादन करने और प्रोसेसिंग यूनिट लगाने की अपील की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किसान सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

किसानों से 3100 रूपए के मान से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी कर रही

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनते ही पहली कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए 18 लाख आवास स्वीकृत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी जी के वायदे को पूरा करते हुए प्रदेश के किसानों से 3100 रूपए के मान से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी कर रही है। किसानों को सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। पिछले वर्ष 145 लाख मीटरिक टन धान की खरीदी की गई थी, इस वर्ष 160 लाख मीटरिक टन धान खरीदी का अनुमान है।

किसान सम्मेलन को छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम हुए शामिल

किसान सम्मेलन को छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने भी सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसान काफी मेहनती है और नई-नई कृषि तकनीकों को अपनाकर सशक्त और समृद्ध हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को फसलों की अच्छा कीमत दिलाने तथा उत्पादन बढ़ाने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। किसान सम्मेलन का आयोजन उद्यानिकी विभाग के सहयोग से छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ द्वारा किया गया था। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, सांसद श्री विजय बघेल, विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, पूर्व विधायक श्री देवजी भाई पटेल, श्री विमल चोपड़ा, युवा प्रगतिशील किसान संघ के अध्यक्ष श्री विरेन्द्र लोहान सहित संघ के अन्य सदस्यगण तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे ।

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए हम फौलादी इच्छाशक्ति से कर रहे हैं काम : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2030 तक 300 मिलियन टन स्टील उत्पादन का लक्ष्य रखा

रायपुर: विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए हम फौलादी इच्छाशक्ति के साथ काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2030 तक 300 मिलियन टन स्टील उत्पादन का लक्ष्य रखा है और इस लक्ष्य को पाने में छत्तीसगढ़ की सबसे अहम भूमिका होगी। इसके लिए प्रदेश के प्रत्येक उद्यमी को छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा का ब्रांड एंबेसडर बनना होगा। प्रदेश के स्टील उद्योग को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए हरसम्भव सहयोग हमारी सरकार प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर के मेफेयर लेक रिसॉर्ट में आयोजित ऑल इंडिया स्टील कॉनक्लेव 2.0 को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। हम विकसित छत्तीसगढ़ की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं केंद्रीय राज्य मंत्री था तब स्टील इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों से अक्सर मुलाकात होती रही है। श्री साय ने कहा कि 17 राज्यों से आए 1500 प्रतिनिधि यहां दो दिन स्टील उद्योग की चुनौतियों व नये अवसर पर मंथन करेंगे। मुझे विश्वास है कि यहां हुई चर्चा स्टील सेक्टर के साथ ही छत्तीसगढ़ और देश की तरक्की को नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया स्टील कॉन्क्लेव 2.0 का आयोजन प्रदेश में स्टील उद्योग को तो प्रोत्साहित करेगा ही, एमएसएमई के लिए भी लाभकारी होगा। देशभर के उद्योग जगत के लोग छत्तीसगढ़ की इस विकास यात्रा में भागीदार होना चाहते हैं। छत्तीसगढ़ में अवसर के कई द्वार अभी और खुलेंगे। जल्द ही हम लिथियम जैसी ऊर्जा खनिज के सबसे बड़े केंद्र बनेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में स्टील उद्योग के लिए काफी अवसर हैं। हमारे पास स्टील इंडस्ट्री के लिए जरुरी खनिज जैसे लोहा ओर और कोयला के साथ ही बिजली पर्याप्त मात्रा में है। हम स्टील उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर हैं। हमें गर्व है कि हमारा प्रदेश देश की इकोनॉमी का पावर हाउस है। छत्तीसगढ़ ने अब ग्रीन स्टील की ओर भी कदम बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि स्टील उद्योग में कई नवाचार हो रहे हैं। उत्पादन बढ़ाने के लिए आप लोग नई और एडवांस टेक्नोलॉजी का उपयोग कर रहे हैं, इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। आर्थिक विकास को गति देने के साथ हमें जलवायु परिवर्तन की चुनौती का भी समाधान करना होगा। ऐसे में अब पर्यावरण अनुकूल विकास के स्थायी उपाय करने होंगे। उन्होंने नई औद्योगिक नीति के जरिए 5 लाख नये रोजगार सृजन के लक्ष्य की बात दोहराई और कहा कि यह आप सभी के सहयोग से ही पूरा होगा। मुख्यमंत्री ने इस दौरान सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 और नई औद्योगिक नीति पर भी सरकार के विजन को साझा किया। सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 एक ऐसा नवाचारी प्लेटफॉर्म है जिसके जरिए राज्य में उद्योग, व्यवसाय और स्टार्टअप को एक पोर्टल पर तमाम सुविधाएं मिल रही हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल औद्योगिक नीति तैयार की है और इससे प्रदेश में निवेश आकर्षित हो रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ वनाच्छादित प्रदेश है और यहां खनिज सम्पदा के विपुल भंडार मौजूद है। प्रदेश के विकास को गति देने की सभी संभावनाएं यहां मौजूद है। श्री देवांगन ने स्टील उद्योग को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी भी दी। उन्होंने कॉनक्लेव में मौजूद सभी उद्योगपतियों से आग्रह करते हुए कहा कि हमारी इस औद्योगिक नीति को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं, जिससे लोग इसका लाभ लें और प्रदेश की तरक्की में साझेदार बने। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का सबसे तेजी से विकसित होता हुआ राज्य बन रहा है। प्रदेश में स्टील उद्योग के लिए अनुकूल अवस्थाएं मौजूद हैं। प्रदेश में पहले से ही अनेक उद्योग स्थापित हैं अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम विकास के साथ ही पर्यावरण का भी ध्यान रखें। सीएसआर की सहायता से लोगों के जीवन को भी बेहतर बनाने का प्रयास करें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, सचिव श्री राहुल भगत, उद्योग सचिव श्री रजत कुमार, ऑल इंडिया स्टील कॉनक्लेव 2.0 के चेयरमैन श्री रमेश अग्रवाल, छत्तीसगढ़ स्टील री रोलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संजय त्रिपाठी, भिलाई स्टील प्लांट के सीईओ अजॉय कुमार चक्रवर्ती सहित सीएसआरए के पदाधिकारीगण और स्टील उद्योग से जुड़े उद्योगपति उपस्थित थे।

दंत चिकित्सा पेशेवर के रूप में अपने ज्ञान एवं कौशल से अनगिनत व्यक्ति के स्वास्थ्य एवं कल्याण में देंगे योगदान : राज्यपाल श्री रमेन डेका

Koytur times

रायपुर: राज्यपाल श्री रमेन डेका छत्तीसगढ़ डेंटल कॉलेज एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट सुंदरा राजनांदगांव के स्नातक समारोह में शामिल हुए। राज्यपाल श्री रमेन डेका को अपने उद्बोधन में कहा कि आज वर्षों की कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ता ने आप सभी ने डेंटल प्रोफेशनल के रूप में आकार दिया है और तैयार किया है। स्नातक होना आपके अध्ययन का एक मील का पत्थर ही नहीं बल्कि आपके सीखने के जुनून और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है, जो आपको इस मंजिल तक लेकर आया है। यह एक अध्याय के अंत तथा दुसरे अध्याय के शुरूआत का प्रतीक है, जहां आपका ज्ञान और कौशल अनगिनत व्यक्तियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि दंत चिकित्सा पेशेवरों के रूप में समाज में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण है।

मुख एवं दांत का स्वास्थ्य न केवल हमारी उजली मुस्कान से जुड़ी है, बल्कि यह हमारे समग्र स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। आपके द्वारा किया गया कार्य दर्द को कम करने, आत्मविश्वास बनाये रखने और जीवन को बेहतर बनाये रखने की ताकत रखता है। इस बड़ी जिम्मेदारी के साथ निरंतर सीखने और करूणा की जरूरत है। उन्होंने युवाओं के मस्तिष्क को दिशा देने के लिए प्रतिबद्धता, मार्गदर्शन, व्यवसायिक क्षमता के विकास के लिए संस्थान के सभी प्रतिनिधियों तथा बच्चों के अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज का यह अवसर इन उपलब्धियों का जश्न मनाने का दिन है। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने युवाओं से कहा कि आपकी शिक्षा केवल कैरियर का साधन नहीं है, बल्कि यह सेवा के लिए प्रतिबद्धता है। नैतिकता एवं देखभाल के उच्च मानकों को बनाएं रखने का प्रयास करें। दंत चिकित्सा के क्षेत्र में आधुनिक नवीनतम अविष्कार, नवाचार से अद्यतन रहें और जीवन भर सीखने की जिज्ञासा बनाये रखें। आपके सामने चुनौतियां होगी, लेकिन आप साहस एवं क्षमता के साथ इसका सामना करेंगे। आप चाहे प्रैक्टिस करें, अनुसंधान करें या लोगों के स्वास्थ्य के लिए अपना योगदान देंगे। यह समझे कि आपके कार्य से समाज में एक अमिट प्रभाव पड़ेगा। आप अपने जीवन की एक नई यात्रा पर निकल रहे हैं। मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि सफलता केवल आपके पेशेवर उपलब्धियों से नहीं मापी जाती, बल्कि आप जिनकी जिंदगी में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं, उससे मापी जाती है। आप जिस भी मरीज का इलाज करें, दया, सहानुभूति एवं मानवता को कभी न भूले। राज्यपाल ने कहा कि शासन द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किये जा रहे है, लेकिन देश की आबादी के दृष्टिगत निजी क्षेत्रों की भूमिका एवं सहभागिता महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की जरूरत है। डीन छत्तीसगढ़ डेंटल कॉलेज एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट सुंदरा डॉ. नागरत्ना पीजे ने संस्थान के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पीके पात्रा, प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी छत्तीसगढ़ डेंटल कॉलेज एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट सुंदरा के अध्यक्ष श्री एनसी पारख, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

राज्यपाल रमेन डेका ने नवा रायपुर में साउंड एंड लाइट फाउंटेन शो का अवलोकन किया

राज्यपाल ने फाउंटेन के अद्भुत दृश्य और प्रकाश-ध्वनि के तालमेल की सराहना

रायपुर: राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में आयोजित एट होम रिसेप्शन में शामिल होने के लिए चयनित राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम कुसमी की लखपति दीदी श्रीमती दिव्या निषाद को सम्मानित किया। इस दौरान श्रीमती दिव्या निषाद ने अपने लखपति दीदी बनने के सफर के बारे में अपने अनुभव साझा किए। उल्लेखनीय है कि 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में आयोजित एट होम रिसेप्शन के लिए देश भर से 10 लखपति दीदीयों का चयन किया गया है। जिसमें से राजनांदगांव जिले से लखपति दीदी श्रीमती दिव्या निषाद का चयन किया गया है। केन्द्र शासन की लखपति दीदी योजना महत्वपूर्ण पहल है। जिसके तहत महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए कार्य किया जा रहा है।

अनुकंपा नियुक्ति पाकर 22 आश्रितों के चेहरे खिले

रायपुर: अपने पालक के असामयिक निधन के बाद नौकरी की प्रतीक्षा कर रहे 22 आश्रितों को आज बिलासपुर नगर निगम में अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई। कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक श्री अवनीश शरण ने मंथन सभागार में सभी आश्रितों को चतुर्थ श्रेणी के पद पर नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार भी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि 31 दिसंबर 2024 को उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने विभागीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिए थे कि सभी नगरीय निकायों में अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रियाएं 10 जनवरी 2025 तक पूरी की जाएं। बिलासपुर नगर निगम ने इन निर्देशों का पालन करते हुए तत्परता से कार्य किया और समय-सीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी कर सभी आश्रितों को आज नियुक्ति पत्र प्रदान किए। नियुक्ति पत्र पाकर आश्रितों के चेहरे खुशी से खिल उठे। सभी ने उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव से मुलाकात की। उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति मिलने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव का आभार जताया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने आश्रितों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सब मन लगाकर काम करें और संस्थान की प्रगति में योगदान दें। कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने नगर निगम की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के निर्देशों के अनुरूप प्रक्रिया का क्रियान्वयन किया गया है। नियुक्ति पाने वालों में श्रीमती नीता ठाकुर, श्रीमती रानो उर्फ क्षमता, श्री वेद प्रकाश, श्रीमती अन्नपूर्णा सोनी, श्री परिवेश परिहार, श्रीमती लक्ष्मी जनोकर, श्रीमती गीता श्रीवास, श्रीमती हसीना बानो, श्री नीलेश श्रीवास, श्री अजीत, श्री मो. यूनूस खान, श्रीमती मीना पाल, श्रीमती बीना, श्री शेख अमीन उल्ला, श्री विनोद कुमार डागोर, श्रीमती मीरा तिवारी, श्रीमती रजनी गुप्ता, श्री प्रदीप बघेल, श्री शेखर मार्को, श्री मो. यूनूस, श्री संजय कुमार, और श्रीमती रेशमा मलिक शामिल हैं।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने ग्राम सुंदरा में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत निर्मित भवन का किया अवलोकन

रायपुर: राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज जिले के प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे आवास निर्माण कार्यो का भ्रमण किया। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सुंदरा में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत निर्मित भवन का अवलोकन किया। उन्होंने श्री भानू साहू, श्री ननचू राम साहू, और श्री बल्दुराम साहू को स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से बने पक्के आवास का अवलोकन किया। उन्होंने ग्राम सुंदरा में पूर्ण आवासों के भ्रमण के दौरान हितग्राहियों से बातचीत की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्का आवास निर्माण से जीवन में स्तर में बदलाव के बारे में जानकारी ली और उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी । राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के माध्यम से लाखों परिवारों को उनके सपनों का घर मिल रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित हो रहे सभी आवास निर्माण कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत गांवों में जो आवास निर्माण किए जा रहे हैं, उनकी गुणवत्ता और समय पर निर्माण सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब एवं जरूरत मंद परिवार को आवास सुविधा प्रदान करना है, ताकि वे बेहतर जीवन यापन कर सकें। इस अवसर पर राज्यपाल से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से लाभान्वित हितग्राहियों ने बताया कि उनके मकान कच्चे और खपरैल के थे, जिन्हें बंदरों द्वारा नुकसान पहुंचाया जाता था इससे उन्हें बारिश के दिनों दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। लेकिन जब से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से पक्का आवास निर्मित हुआ है तब से उन्हें इस समस्या से निजात मिली है और पूरा परिवार खुशी से जीवन बिता रहा है।

9 दिव्यांगजनों बच्चों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण

दिव्यांगों में मौजूद क्षमता को बढ़ाने और शिक्षित-प्रशिक्षित करने के लिए समाज के विशेष योगदान की आवश्यकता : राज्यपाल

पुरस्कार देते हुए राज्यपाल

● **रायपुर** रायपुर: राज्यपाल श्री रमेन डेका पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम गौरव पथ में अभिलाषा के वार्षिकोत्सव, पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर सांसद श्री संतोष पाण्डेय विशेष रूप से उपस्थित थे। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दिव्यांगों में मौजूद क्षमता को बढ़ाने उन्हें शिक्षित-प्रशिक्षित करने में समाज का विशेष योगदान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों में सिक्स सेंस अधिक करता है तथा इसे और सक्रिय कर उनमें विद्यमान कार्य क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। यह कार्य केवल सरकार द्वारा पूरा करना संभव नहीं होता, इसके लिए समाज की भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि जिन दिव्यांगजनों को प्रशिक्षण के पश्चात विभिन्न संस्थाओं में नौकरी मिल गई है, वे इसे अपनी संपूर्ण मंजिल न समझें, बल्कि आगे बढने के लिए प्रयास करते रहें। इस दौरान उन्होंने दिव्यांगों के लिए समर्पित संस्था अभिलाषा को 2 लाख 50 हजार रूपए राजभवन से प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि शासन द्वारा समाज कल्याण के लिए जितनी योजनाएं है, उनका लाभ इन दिव्यांगों को मिले, इसके लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने राजनांदगांव में दिव्यांगजनों के लिए संचालित संस्था अभिलाषा के कार्यों की सराहना की और कहा कि किसी संस्था के तीस वर्ष सेवा भाव से व्यतीत होना किसी चुनौती से कम नहीं होता। इस संस्था से अपनी शिक्षा पूर्ण कर चुके अनेक दिव्यांगजन अपने पैरों पर खड़े होकर समाज में सम्मानजनक जीवनयापन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के दिव्यांगजन ने शारीरिक या मानसिक रूप से या किसी तरह से अक्षम हो जाते हैं, तब उन्हें आगे बढने के समान अवसर प्रदान करना सबकी जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने कहा कि अभिलाषा संस्था में लाभान्वित हो रहे 30 से भी अधिक दिव्यांगजन शासकीय सेवा के साथ-साथ स्वरोजगार से जुड़कर अपना जीवनयापन सम्मानजनक रूप से कर पा रहे हैं। राज्यपाल ने दिव्यांग साथियों, सेवाभावी पदाधिकारियों, दानदाताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा पथ पर पूर्ण उत्साह और ऊर्जा के साथ कार्य करते रहें। उन्होंने वार्षिकोत्सव और पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन सफलता की कामना की। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों को प्रोत्साहित करते रहें और उनकी हरसंभव सहायता करें। उनके इस समर्थन और प्रेरणा से ही ये बच्चे जीवन में नए ऊंचाईयां हासिल कर सकते हैं। राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में आयोजित एट होम रिसेप्शन में शामिल होने के लिए चयनित राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम कुसमी की लखपति दीदी श्रीमती दिव्या निषाद के जीवन वृत्तांत को दिव्यांगजनों एवं अन्य लोगों के लिए प्रेरणास्पद बताया । सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने कहा कि इस संस्था द्वारा दिव्यांगों के सर्वागीण विकास के लिए सराहनीय कार्य किए जा रहे है। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे छत्तीसगढ़ में राजनांदगांव ऐसा जिला है, जहां सीआरसी (दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास एवं सशक्तिकरण समेकित क्षेत्रीय केन्द्र) की स्थापना की गई है और यहां दिव्यांगों को विशेष रूप से शिक्षित-प्रशिक्षित करने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा दिव्यांगजनों को अपने पैरों पर खड़े होने के लिए रोजगार से भी जोड़ा जा रहा है। नि:स्वार्थ भाव से दिव्यांगों के लिए कार्य करने वाली संस्था की उन्होंने सराहना संस्था द्वारा आयोजित दिव्यांग सम्मान समारोह में दिव्यांगजनों को उनकी विशेष उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया, वहीं प्रशिक्षण पश्चात स्वरोजगार एवं विभिन्न संस्थाओं में कार्यरत दिव्यांगों को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने संस्था के पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि अभिलाषा संस्था द्वारा दिव्यांगजनों के शिक्षण-प्रशिक्षण, रोजगार, खेलकूद सहित अन्य कार्यों से जोडने के लिए विशेष रूप से कार्य किया जा रहा है। संस्था द्वारा पांच दृष्टिबाधितों का ऑपरेशन किया गया है, जो अब इस दुनिया को अपनी आंखों से देखने लगे है, वहीं 65 पोलियोग्रस्त को प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा 28 दिव्यांगजनों को सिलाई प्रशिक्षण, 9 दिव्यांगजनों बच्चों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण, 7 बच्चों को ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, जो इंदौर शहर में ब्यूटी पार्लर की स्थापना कर संचालन कर रही है और आर्थिक रूप से सशक्त हो रही है। साथ ही 32 दिव्यांगजन शिक्षा, स्वास्थ्य, श्रम सहित अन्य शासकीय विभागों में अपनी सेवा दे रहे हैं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, अभिलाषा संस्था के पदाधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी सहित नागरिकगण उपस्थित थे।

मोवा ओवरब्रिज की गुणवत्ताहीन मरम्मत पर बिफरे उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव

रायपुर: उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने रायपुर के मोवा ओवरब्रिज में मरम्मत कार्य में लापरवाही की खबर पर आज कार्यस्थल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मरम्मत कार्य में लापरवाही और खराब काम पर गहरी नाराजगी जताते हुए संबंधित ठेकेदार और इंजीनियर्स को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सुशासन की सरकार में अनियमितता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने ठेकेदार को मरम्मत कार्य का एक रुपए भी भुगतान नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसा किए जाने पर अधिकारियों के वेतन से भरपाई की जाएगी। श्री साव के मरम्मत कार्य के निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह और प्रमुख अभियंता श्री के.के. पीपरी भी मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने उच्च अधिकारियों को मौके पर ही मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारी से ओवरब्रिज मरम्मत कार्य की जांच करवाकर तीन दिनों में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि गुणवत्ताहीन कार्य के लिए जिम्मेदार अधिकारी को नहीं बख्शेंगे, जांच के बाद कड़ी कार्रवाई होगी।

लोक निर्माण विभाग ने तत्काल जारी किए जांच के आदेश

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के सख्त निर्देश के बाद लोक निर्माण विभाग ने तत्काल जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। विभाग ने मरम्मत में घोर लापरवाही पर डामरीकरण कार्य में खराबी आने के कारण और जिम्मेदार अधिकारी जैसे बिंदुओं की जांच मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारियों से कराकर तीन दिनों में रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने को कहा है ।

किसानों को समृद्ध बनाने के लिए उनकी मदद की जरूरत: राज्यपाल श्री रमेन डेका

रायपुर: राज्यपाल श्री रमेन डेका की अध्यक्षता में राजनांदगांव के कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने जिले में शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन, जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यों एवं अभियान के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जल है तो हम हैं। जल संरक्षण के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ाने की आवश्यकता है। जल संरक्षण के लिए जनसामान्य को प्रेरित करें तथा पानी व्यर्थ न बहे इस बात का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि जिले में मिशन जल रक्षा अभियान के तहत जल संरक्षण की दिशा में बहुत अच्छा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने जिले में सिंचाई, भू-जल स्तर, जैविक कृषि प्रोत्साहन, नवाचार के संबंध में गहन चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों को जैविक खेती से बहुत फायदा मिलेगा। इसके लिए विशेष तौर पर कार्य करने की जरूरत है। जैविक कृषि में किसानों के विकास की असीम संभावनाएं है। हमें इस दिशा में कार्य करते हुए किसानों को समृद्ध बनाने के लिए कार्य करना है और उनकी मदद करनी है। कृषि तथा वन दो ऐसे क्षेत्र है, जिनमें ग्रामीण विकास की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारी से कहा कि किसानों से लगातार मिलते रहे और उन्हें जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें नवीनतम तकनीक तथा नवाचार के संबंध में जानकारी देते रहे और उनकी मदद करें। उन्होंने इजराईल की पाली हाऊस टेक्नोलाजी के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि जिले में पाली हाऊस के माध्यम से उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा दें। उन्होंने असम के ऐसे किसानों के बारे में जानकारी साझा की। जिन्होंने खेती-किसानी के माध्यम से बहुत तरक्की की है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य करें। उन्होंने शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने जिले में टीबी के संबंध में चल रहे अभियान निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ 100 दिवसीय पहचान एवं उपचार के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त जिले की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने राजभवन की ओर से गरीब एवं जरूरतमंदों को सहयोग देने की बात कही। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से टीबी मुक्त जिले की दिशा में आगे बढ़ना है और सभी से सहयोग लेना है। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी ली तथा जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे गंभीर कुपोषित बच्चों को सुपोषण की श्रेणी में लाने के लिए चलाए जा रहे पोट्ठ लईका अभियान की सराहना की। उन्होंने जिले में आंगनबाड़ी भवनों की स्थिति, बेटी बचाओ बेटी बढ़ाओ अभियान के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थ बच्चों एवं युवाओं के लिए बहुत घातक है। हमारे देश एवं समाज के लिए यह व्यसन एक बुराई है। हमें नशीले पदार्थों के अन्य राज्यों से अवैध रूप से आने वाले गांजा, चरस, कोकीन पर रोक लगाने की जरूरत है। बच्चों एवं युवाओं को नशीले पदार्थों की गिरफ्त से दूर रखना है। उन्होंने कहा कि पुनर्वास केन्द्रों में ऐसे ड्रग्स के दुष्प्रभाव से बच्चों एवं युवाओं का ईलाज करने एवं उन्हें ड्रग्स के दुष्प्रभाव से दूर रखने की जरूरत है। उन्होंने जिले में चलाए जा रहे त्रिनेत्र योजना के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने जनसहभागिता से सीसीटीवी कैमरा के जरिए अपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने के कार्य की प्रशंसा की। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों से विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के संबंध में चर्चा की गई। इस अवसर पर राजनांदगांव के आईजी श्री दीपक झा, राज्यपाल की संयुक्त सचिव श्रीमती हीना अनिमेष नेताम, जिले के कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग, प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

'सक्षम विद्यालय" के दिव्यांग बच्चों का राज्य स्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन

संवाददाता | दंतेवाड़ा

दंतेवाड़ा: दंतेवाड़ा जिला प्रशासन द्वारा संचालित ''सक्षम विद्यालय'' (दिव्यांग बच्चों का बाधारहित आवासीय विद्यालय) संस्था में रहकर अध्ययनरत छात्रों के हौसलों की उड़ान अध्ययन के अलावा खेल गतिविधियों में भी जारी है। इस क्रम में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी एवं सीईओ जिला पंचायत श्री जयंत नाहटा के मार्गदर्शन में सक्षम के दिव्यांग बच्चे शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़कर जीवन पथ को सार्थक बनाने के साथ-साथ खेल कूद, संगीत, आर्ट एंड क्राफ्ट जैसे विधाओं में पारंगत हो रहे हैं। इसके तहत प्राप्त जानकारी अनुसार हाल ही में रायपुर में हुए राज्य स्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025 में सक्षम विद्यालय के छात्र भीमा, योगेश और दिव्यांशु ने 100 मीटर 200 मीटर,400 मीटर दौड़ लम्बी कूद, गोला फेक, बैडमिंटन प्रतियोगिता में 8 गोल्ड 1 ब्रांज मेडल जीतकर जिले का मान बढ़ाया है। इसके अलावा सक्षम विद्यालय के ही 05 छात्र हरिशंकर, रविन्द्र, आकाश, प्रिंस और दिनेश ने मेरठ में पैरा ओलंपिक टीम और विदेश से आए हॉर्स राइडिंग प्रशिक्षकों के समक्ष ''हॉर्स राइडिंग'' में अपनी प्रतिभा का कुशल प्रदर्शन कर तारीफें पाई। इस उपलब्धि पर जिले के कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने सभी विजेता बच्चों को बधाई देते हुए आगामी में बोर्ड परीक्षाओं में और अन्य गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं प्रेषित की।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े चिंतन शिविर में होंगी शामिल

रायपुर: महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े 10-12 जनवरी तक राजस्थान के उदयपुर में आयोजित चिंतन शिविर में भाग लेंगी। इस शिविर में केंद्र और राज्यों के प्रतिनिधि महिलाओं और बच्चों के विकास से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी करेंगी। राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भी उपस्थित रहेंगे। सत्रों में मिशन वात्सल्य, मिशन शक्ति और पोषण 2.0 जैसे विषयों पर चर्चा होगी। शिविर में आंगनवाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने, महिला सशक्तिकरण, बाल कल्याण और तकनीकी उपयोग जैसे मुद्दों पर समाधान तलाशे जाएंगे। राज्यों द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं की प्रस्तुति भी दी जाएगी।

आयुष्मान वय वंदना कार्ड पंजीयन हेतु शिविर लगाकर चलाया जा रहा महाअभियान<

संवाददाता | कांकेर

उत्तर बस्तर कांकेर: आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनांतर्गत जिले में 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान वय वंदना कार्ड पंजीयन करने हेतु सभी चॉइस सेंटरों एवं सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों में शिविर लगाकर महाअभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव ने आयुष्मान वय वंदना कार्ड पंजीयन महाअभियान अंतर्गत आज ग्राम कोकपुर में चॉइस सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिविर में आए वरिष्ठ नागरिकों को समझाईश देते हुए कहा कि आयुष्मान वय वंदना कार्ड के माध्यम से 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों (एपीएल एवं बीपीएल दोनों श्रेणी) को प्रतिवर्ष 05 लाख तक का निःशुल्क उपचार की सुविधा है। इस योजना का लाभ लेने के लिए आप अपने आसपास के बुजुर्गों को पंजीयन के लिए प्रेरित करें। इसके अलावा अपने नजदीकी शासकीय अस्पताल या च्वॉइस सेंटर में आयुष्मान वय वंदना कार्ड पंजीयन करवाकर इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ अवश्य लें। उन्होंने कहा कि यह योजना सभी बुजुर्गों के लिए वरदान साबित होगी, क्योंकि वृद्धावस्था में विभिन्न प्रकार की बीमारियां होने लगती है, जिनके उपचार में काफी राशि का व्यय करना पड़ता है। अतः 05 लाख तक के निःशुल्क उपचार से वरिष्ठ नागरिकों को इससे बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री हरेश मंडावी एवं स्वास्थ्य विभाग के टीम उपस्थित थे ।

रायपुर के 25 मेडिकल स्टोर्स पर औषधि निरीक्षकों तथा रायपुर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से सघन जाँच कार्यवाही

रायपुर: राज्य के गृह मंत्री श्री विजय शर्मा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ तथा एएसपी क्राइम रायपुर एवं सहायक औषधि नियंत्रक रायपुर के नेतृत्व में रायपुर जिला के अलग अलग स्थानों पर संचालित विभिन्न 25 मेडिकल स्टोर्स की औषधि निरीक्षकों तथा रायपुर पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से सघन जाँच कार्यवाही किया गया है। जाँच कार्यवाही नारकोटिक औषधियों के अवैध व्यापार पर नियंत्रण बनाने हेतु किया गया। जाँच कार्यवाही में कुल 12 औषधि निरीक्षक तथा पुलिस विभाग से निरीक्षक, उप निरीक्षक प्रधान आरक्षक एवं आरक्षकों की 14 सदस्य अर्थात दोनो विभाग से कुल 26 अधिकारीगण शामिल रहे। जाँच कार्यवाही के लिए कुल 12 टीम गठित की गयी थी। कार्यवाही में टेस्ट परचेस किया गया , कुल 11 दुकानों - 1. सुमित मेडिकल स्टोर्स पचपेडी नाका, 2. मां भवानी मेडिकल स्टोर्स गढ़ियारी 3. गणपति मेडिकल स्टोर्स गढ़यारी 4. रॉयल मेडिकल स्टोर्स, मठपुरेना 5. सतकार मेडिकल स्टोर्स फाफाडीह 6. मास्टर मेडिकल स्टोर्स फाफाडीह 7. सागर मेडिकल स्टोर्स बीरगांव, 8. लक्ष्मी मेडिकल स्टोर्स खरोरा, 9. छाया मेडिकल स्टोर्स भैसा आरंग, 10. श्री राम मेडिकल स्टोर्स कौलाशपुरी टिकरापारा, 11. ऋषि मेडिकल स्टोर्स संतोषी नगर, में नारकोटिक्स औषधियों की बरामदगी की गयी है । इनके पास मौके से विक्रय दस्तावेज नहीं मिला। इन मेडिकल स्टोर्स के विरुद्ध ड्रग एक्ट के अंतर्गत कानूनी कार्यवाही की जा रही है। अन्य मेडिकल स्टोर्स में औषधि नियमावली की अनियमितता पायी गयी है जिन्हे नोटिस देकर स्पष्टीकरण माँगा जा रहा है संतोषप्रद जवाब न मिलने पर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। पूर्व में इसी प्रकार 02 दिसम्बर 2024 को रायपुर जिले में ड्रग तथा पुलिस विभाग द्वारा कुल 30 दुकानों में संयुक्त जाँच कार्यवाही किया गया था जांच उपरांत कुल 02 मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस निरस्त किये गए तथा 12 दुकानों के लाइसेंस निलंबित किये गए थे। एवं 11 दिसम्बर 2024 को जिला बिलासपुर में ड्रग तथा पुलिस विभाग द्वारा कुल 45 दुकानों में संयुक्त जाँच कार्यवाही किया गया था जिसमे कुल 29 दुकानों के लाइसेंस को निलंबित किया गया था।राज्य के समस्त जिलों के मेडिकल स्टोर्स में नशीली दवाओं के अवैध व्यापार पर नियंत्रण हेतु आगामी समय में भी इसी प्रकार से ड्रग तथा पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से चरणबद्ध तरीको से कार्यवाही की जावेगी।

कैलिफोर्निया के जंगलों की आग जलवायु परिवर्तन का भयावह संकेत

कैलिफोर्निया के लॉस एंजिलिस में पैसिफिक पैलिसेड्स से शुरू हुई आग अब हॉलीवुड हिल्स तक पहुंच चुकी है, लेकिन इसे पूरी तरह काबू में लाना अब भी मुश्किल बना हुआ है। यह त्रासदी न केवल प्राकृतिक आपदा है, बल्कि जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभावों का स्पष्ट संकेत भी है। शुष्क जलवायु और तेज हवाओं के चलते आग लगना कैलिफोर्निया जैसे क्षेत्रों में नई बात नहीं है, लेकिन जनवरी के महीने में इस तरह की विकराल घटना ने चिंताओं को और बढ़ा दिया है। ऐसी घटनाएं इस ओर इशारा करती हैं कि जलवायु परिवर्तन के परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखने लगे हैं। आमतौर पर जंगलों की आग जून से अक्टूबर के बीच होती है, लेकिन अब मौसम के बदलते मिजाज के कारण यह किसी भी समय भयावह रूप ले सकती है। बढ़ते तापमान और कम होती वर्षा ने आग लगने के जोखिम को और गंभीर बना दिया है। तेज़ हवाएं, जैसे कि सैंटा एना आग बुझाने के प्रयासों को मुश्किल बनाती हैं, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं। इस आग की वजह से अरबों डॉलर का नुकसान हो चुका है। कई मशहूर हस्तियों के घर जलकर राख हो गए हैं, तो ऑस्कर नामांकन तक को स्थगित करना पड़ा। यहां तक कि राष्ट्रपति जो डॉनल्ड ट्रंप को अपना विदेशी दौरा रद्द करना पड़ा। ऐसे में सोचने की बात है कि आम लोगों पर इसका कितना गहरा असर पड़ा होगा। यह घटना दिखाती है कि दुनिया का सबसे अमीर देश भी ऐसी आपदाओं के सामने बेबस हो सकता है। यह सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं है। सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वॉयरन्मेंट की रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में भारत ने 93% दिनों में चरम मौसमी घटनाओं का सामना किया। उत्तराखंड के जंगलों की आग ने भी सैकड़ों एकड़ जमीन को बर्बाद कर दिया था। इन घटनाओं से यह साफ है कि जलवायु परिवर्तन वैश्विक समस्या बन चुकी है। कैलिफोर्निया की आग केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन का चेतावनी संकेत है। यह समय है कि दुनिया इस खतरे को गंभीरता से ले और ठोस कदम उठाए। यदि अभी भी हमने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कदम नहीं उठाए तो ऐसी त्रासदियां और अधिक विकराल रूप ले सकती हैं।

संपादकीय 2024 में उपभोक्ता मुद्रास्फीति 4.8 प्रतिशत से घटकर 2025 में 4.3 प्रतिशत हो सकती है

आर्थिक सुस्ती और आगामी बजट में विकास की नई राह की तलाश

भारत की अर्थव्यवस्था इस समय धीमी रफ्तार के दौर से गुजर रही है, जो आगामी आम बजट 2025 के लिए बड़ी चुनौती के रूप में उभर रही है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में जीडीपी दर साढ़े पांच प्रतिशत रही, जिसने न केवल सरकार बल्कि वित्तीय संस्थाओं को भी सतर्क कर दिया है। वर्ष की शुरुआत में जहां 7.5 प्रतिशत की विकास दर का अनुमान था, वहीं तीसरी तिमाही के आंकड़ों ने इस आशावाद को झटका दिया। इसके परिणामस्वरूप कई वित्तीय एजेंसियां अपने अनुमानों में संशोधन कर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी 'विश्व आर्थिक स्थिति व संभावना 2025' रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि भारत की अर्थव्यवस्था 2025 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत निजी खपत और निवेश भारत की आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहित करेंगे। 2024 में यह दर 6.8 प्रतिशत और 2026 में 6.8 प्रतिशत तक लौटने का अनुमान है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि भारत की अर्थव्यवस्था दक्षिण एशिया में मजबूत स्थिति बनाए हुए है। औद्योगिक उत्पादन के हालिया आंकड़े अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेत दे रहे हैं। नवंबर 2024 में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) 5.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। यह त्योहारी मांग और विनिर्माण क्षेत्र में आई तेजी का नतीजा है। हालांकि, औद्योगिक क्षेत्र में अभी भी व्यापक प्रगति की आवश्यकता है। उत्पादन में वृद्धि के बावजूद, भारतीय निजी कॉरपोरेट निवेशकों का झुकाव देश से बाहर निवेश करने की ओर अधिक रहा है। भारत सरकार ने औद्योगिक क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए पीएलआई (उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन) जैसी योजनाएं लागू की हैं। इन नीतियों का उद्देश्य निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है। इसके बावजूद, व्यापक आर्थिक सुधार के लिए आगामी बजट में नए कदमों की जरूरत है। सरकार को बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है, जिसमें सामाजिक और भौतिक दोनों क्षेत्रों का ध्यान रखा जाए। डिजिटल और भौतिक संपर्क को मजबूत करने से न केवल रोजगार बढ़ेगा, बल्कि निवेशकों का विश्वास भी बढ़ेगा। गति पकड़ती अर्थव्यवस्था के लिए कृषि, सेवा और औद्योगिक क्षेत्र में संतुलित विकास आवश्यक है। कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों का समावेश और सेवा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अमिताभ कांत ने सही कहा है कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए उभरते क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभानी होगी। इसके लिए अनुसंधान और नवाचार में निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में उपभोक्ता मुद्रास्फीति 4.8 प्रतिशत से घटकर 2025 में 4.3 प्रतिशत हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय बैंक और सरकार को महंगाई को नियंत्रण में रखने के लिए सतर्क रहना होगा। अगले कुछ दशकों में भारत को विकसित राष्ट्र बनने के लिए अपनी आर्थिक रणनीतियों को नए सिरे से परिभाषित करना होगा। यह केवल कुछ क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके संभव नहीं होगा। सरकार को व्यापक दृष्टिकोण अपनाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में सुधार करना होगा। आगामी बजट 2025 से न केवल आम जनता, बल्कि उद्योग और निवेशकों को भी बहुत उम्मीदें हैं। एक ऐसा बजट, जो आर्थिक सुधारों को गति देने के साथ-साथ भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में नई ऊंचाई पर ले जाए, समय की मांग है।

स्वाधीनता: स्व के अधीन होने का उत्सव

स्वाधीनता का अर्थ है स्व के अधीन होना। यह स्व-नियंत्रण का पर्व है, जहां हमारी इच्छाओं और कर्तव्यों में संतुलन हो, और हम स्वयं पर अपना नियंत्रण स्थापित करें। यही स्वतंत्रता की सच्ची परिभाषा है। एक ऐसा भारत, जहां केवल भारत का ही अधिकार हो। इस समृद्ध, संस्कारित और सांस्कृतिक राष्ट्र पर नियंत्रण करने के प्रयास इतिहास में कई बार हुए, लेकिन भारत अपने विशाल हृदय, अडिग संकल्प और गहन सांस्कृतिक विरासत के साथ हमेशा अडिग रहा। हिमालय जैसे विशाल हृदय, गंगा जैसी पवित्रता और वेदों जैसे अमूल्य ज्ञान के भंडार से युक्त यह राष्ट्र जीवंत और जाग्रत रहा है और आगे भी रहेगा। भारत ने महाभारत की गाथा देखी, राम-भरत का अद्वितीय प्रेम देखा, और कृष्ण-सुदामा की मित्रता का आदर्श स्थापित किया। यही वह भारत है, जो आज विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। अब समय आ गया है कि हम एक ऐसे भारत की ओर बढ़ें, जहां प्रत्येक भारतीय अपने कौशल, परिश्रम और कर्तव्यनिष्ठा से देश के नक्शे पर अपनी छाप छोड़े। एक ऐसा भारत, जो उन वीरों को आदर दे, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, और उन किसानों को भी सम्मानित करे, जिनका पसीना इस धरती से अन्न उपजाने में लगा।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के शब्दों में,

"सब तीर्थों का एक तीर्थ यह,
हृदय पवित्र बना लें हम,
आओ यहां अजातशत्रु बन,
सबको मित्र बना लें हम।
भारत माता का मंदिर यह,
समता का संवाद जहां,
सबका शिव कल्याण यहां है,
पावें सभी प्रसाद यहां।"

ऐसे आदर्श जहां स्थापित हों, वह राष्ट्र गौरव का पात्र होता है। यही कारण है कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था,

"भारत जमीन का टुकड़ा नहीं, जीता-जागता राष्ट्रपुरुष है।"

हमारा लक्ष्य है कि यह राष्ट्र अपनी सांस्कृतिक धरोहर के साथ आत्मनिर्भर बने, समृद्ध बने और संपूर्ण विश्व में अपने वैभव और आदर्शों का प्रकाश फैलाए। यही सच्ची स्वाधीनता है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह पर विशेष लेख: गोल्डन आवर से जीवन तक सड़क सुरक्षा की ओर बढ़ते कदम

लेखक/विचारक: महेन्द्र सिंह मरपच्ची

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन देशभर में सड़क सुरक्षा के महत्व को उजागर करने और लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने के लिए किया जाता है। छत्तीसगढ़ राज्य में भी इस सप्ताह का आयोजन बड़े पैमाने पर किया जाता है, जिसमें सड़क सुरक्षा के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, गृह मंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य किए हैं। इन नेताओं के दूरदर्शी नेतृत्व और प्रभावशाली नीतियों के कारण सड़क सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण योजनाएँ सफलतापूर्वक लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य के सड़क ढाँचे को मजबूत बनाने और यातायात प्रबंधन में सुधार के लिए कई योजनाओं की शुरुआत की है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि छत्तीसगढ़ के राजमार्ग, ग्रामीण सड़कें, और शहरी मार्ग तकनीकी रूप से उन्नत और सुरक्षित हों। ब्लैक स्पॉट की पहचान कर उन्हें सुधारने का कार्य उनकी प्राथमिकताओं में से एक रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य ने सड़क सुरक्षा शिक्षा को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया, ताकि बच्चों को बचपन से ही यातायात नियमों की जानकारी दी जा सके। गोधन न्याय योजना और अन्य विकास परियोजनाओं के साथ-साथ उन्होंने सड़क निर्माण और यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने पर जोर दिया। राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा ने सड़क सुरक्षा को कानून व्यवस्था के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में देखा है। उनके कार्यकाल में छत्तीसगढ़ पुलिस और परिवहन विभाग ने मिलकर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए। विजय शर्मा ने ट्रैफिक पुलिस को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किया और डिजिटल तकनीकों का उपयोग करके यातायात निगरानी को सुदृढ़ किया। उन्होंने "नो हेलमेट, नो फ्यूल" अभियान जैसी पहल को प्रोत्साहित किया, जिससे राज्य में हेलमेट उपयोग का अनुपात बढ़ा। साथ ही, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष यातायात प्रबंधन योजनाओं को लागू किया। गृह मंत्री ने सड़क दुर्घटना के बाद त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए 108 आपातकालीन सेवाओं को बेहतर बनाया, जिससे दुर्घटना के बाद "गोल्डन आवर" में अधिक से अधिक जानें बचाई जा सकें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय स्तर पर सड़क सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने "मोटर वाहन अधिनियम, 2019" के तहत कठोर दंड प्रावधानों को लागू किया, जिससे यातायात नियमों के उल्लंघन में कमी आई। अमित शाह के नेतृत्व में "नेशनल हाईवे ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम" और "सुरक्षित वाहन योजना" जैसे कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने न केवल सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ठोस नीतियाँ बनाई बल्कि राज्यों को वित्तीय और तकनीकी सहायता भी प्रदान की। उनके प्रयासों से सड़क निर्माण में गुणवत्ता नियंत्रण को बढ़ावा मिला और सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियानों को राष्ट्रीय स्तर पर बल मिला। इन तीनों नेताओं के समन्वित प्रयासों ने छत्तीसगढ़ में सड़क सुरक्षा को एक नई दिशा दी है। विष्णुदेव साय के विकासोन्मुख दृष्टिकोण, विजय शर्मा की सुरक्षा-केंद्रित नीतियों और अमित शाह के व्यापक राष्ट्रीय दृष्टिकोण ने मिलकर न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश को सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है। इन योजनाओं और प्रयासों का परिणाम यह है कि राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है, और यातायात व्यवस्था अधिक संगठित और प्रभावी हुई है। सड़क सुरक्षा केवल एक सप्ताह का अभियान नहीं है, बल्कि यह निरंतर प्रयासों और जिम्मेदारी का विषय है। इन नेताओं की प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता ने समाज को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रशिक्षण संपन्न

रायपुर: संचालक, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार श्री ऋतुराज रघुवंशी ने प्रातः 9:30 बजे भिलाई स्थित आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था का औचक निरीक्षण किया। संस्थान के प्राचार्य, श्री टी.के. सातपुते, निरीक्षण के समय अनुपस्थित पाए गए। उपस्थिति पंजी में उनके हस्ताक्षर दर्ज नहीं थे। इसके अतिरिक्त, संस्थान के अन्य कर्मचारियों सुश्री दुर्गा साहू (सहायक वर्ग-3) और श्री विवेक राठौर (सहायक ग्रेड-3) के भी उपस्थिति दर्ज नहीं पाई गई। उनके नाम के समक्ष अवकाश प्रविष्टि या अन्य किसी प्रकार की सूचना भी उपलब्ध नहीं थी। संचालक श्री ऋतुराज रघुवंशी ने कर्तव्य के प्रति घोर उपेक्षा और अनुशासनहीनता के कारण प्राचार्य श्री टी.के. सातपुते को कारण बताओ सूचना जारी की गई है। उनसे तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। निरीक्षण के दौरान संचालक श्री रघुवंशी ने संस्थान में प्रशिक्षण की गुणवत्ता, कर्मचारियों की उपस्थिति और संस्थान के समुचित प्रबंधन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शीघ्रलेखन एवं मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा 18 और 19 जनवरी 2025 को

बैकुण्ठपुर |

रायपुर: शीघ्र लेखन एवं मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा परिषद लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा कौशल परीक्षा 18 और 19 जनवरी 2025 को आयोजित की जाएगी। शीघ्र लेखन एवं मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा परिषद सचिव ने बताया कि विभिन्न गति की कौशल परीक्षाओं में से 'अंग्रेजी' मुद्रलेखन गति 5000 की डिप्रेशन प्रतिघंटे के मान से 18 जनवरी शनिवार को तथा 19 जनवरी रविवार को 'हिन्दी' मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल गति 8000 की डिप्रेशन प्रतिघंटे के मान से 9 चयनित परीक्षा केन्द्रों पर तकनीकी कॉलेजों में उपलब्ध संसाधनों के आधार पर आयोजित की जाएगी। उपरोक्त तिथियों में आयोजित परीक्षा संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए परीक्षार्थी परिषद की वेबसाईट https://ctsp.cg.nic.in/ का अवलोकन कर सकते हैं। विभिन्न तिथि में आयोजित परीक्षाओं के लिए केवल नवीन प्रवेश पत्र ही मान्य होगा।

वायुसेना अग्रिपथ योजना के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला सम्पन्न

संवाददाता | धमतरी

धमतरी: वायुसेना अग्निपथ योजना के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का समापन हुआ। स्थानीय विंध्यवासिनी मंदिर के पास स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित इस कार्यशाला में कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने कहा कि धमतरी जिले के विद्यार्थियों के लिए यह सुनहरा अवसर है कि वायुसेना के अधिकारी स्वयं पहुंचकर उन्हें वायुसेना में कैरियर की जानकारी प्रदाय कर रहे और प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी को आगे बढ़ते रहना चाहिए और वायुसेना हो, थल सेना हो अथवा किसी भी क्षेत्र मे आगे बढ़ना हो, उसे मानसिक और शारीरिक तौर पर तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि देशभक्ति जज्बा हर बच्चे में होना चाहिए और यह आपके लिए अच्छा अवसर है कि वायुसेना के अधिकारी स्वयं आकर आपको मार्गदर्शन कर रहे हैं। इसके लिए कलेक्टर ने वायुसेना के अधिकारियों का आभार और धन्यवाद ज्ञापन किया। साथ ही बच्चों और उपस्थित जिले के अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अन्य बच्चों को वायुसेना में कैरियर की जानकारी देंगे और उन्हें प्रोत्साहित करेंगे। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री जगदल्ले ने वायुसेना के अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि वे जिले के बच्चों को कैरियर बनाने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करते रहेंगे। प्रशिक्षण सह कार्यशाला में वायुसेना के अधिकारियों जूनियर वारंट ऑफिसर श्री सुशांत सिंह और श्री जिर्तेंद्र प्रसाद द्वारा पावर प्वाईंट प्रजेंटेशन के जरिए विद्यार्थियों को वायुसेना अग्निपथ योजना की बारिकी से जानकारी दी गई। साथ ही फॉर्म भरने की प्रक्रिया, शारीरिक दक्षता, शैक्षणिक योग्यता, भर्ती प्रक्रिया, परीक्षा एवं प्रशिक्षण इत्यादि की जानकारी अधिकारियों ने दी। इसके साथ ही यह भी बताया गया कि योजना के तहत मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के अधिक से अधिक विद्यार्थी वायुसेना की भर्ती में शामिल हों, इसके लिए वे कार्यशाला के माध्यम से प्रचार कर रहे हैं और बच्चों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। साथ ही अन्य बच्चों को भी इस भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करने के बारे में बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अविवाहित ऐसे महिला और पुरूष जो भारत का नागरिक हो, उसकी आयु साढ़े 17 से 21 वर्ष तक, लम्बाई 152 से.मी. तथा शैक्षणिक योग्यता बारहवीं, आईटीआई अथवा किसी भी विषय में डिप्लोमा में 50 प्रतिशत अंक तथा इंग्लिश में 50 प्रतिशत अंक लेकर उत्तीर्ण हो, आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ आधार कार्ड, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर देना होगा। इस दौरान क्विज प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को किताबें, टीशर्ट इत्यादि पुरस्कार स्वरूप प्रदाय किया गया।

वय वंदन योजना वरिष्ठ नागरिकों के लिए वरदान

रायपुर: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए शुरू की गई वय वंदन योजना छत्तीसगढ़ राज्य में तेजी से क्रियान्वित हो रही है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को 5 लाख रुपये तक की विशेष स्वास्थ्य सहायता दी जा रही है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिससे वरिष्ठ नागरिकों में हर्ष का माहौल है। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील पेंशनर्स कल्याण संघ के अध्यक्ष श्री जानकी प्रसाद शुक्ला ने कहा, पहले आयुष्मान कार्ड में केवल 50 हजार रुपये तक की सहायता मिलती थी, लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल से अब 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सहायता मिल रही है। यह योजना हमारे जैसे वरिष्ठ नागरिकों के लिए वरदान साबित हो रही है। संघ के सचिव श्री रामायण प्रसाद मिश्रा, जिनकी आयु 73 वर्ष है, ने बताया कि उनका आयुष्मान वय वंदन कार्ड बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस योजना से हमारी स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं खत्म हो गई हैं। यह पहल बुजुर्गों को सम्मानजनक और चिंता मुक्त जीवन जीने का अवसर दे रही है। संघ के सदस्य श्री दाऊराम अवस्थी, जिनकी आयु 77 वर्ष है, ने बताया कि इस उम्र में स्वास्थ्य समस्याएं आम हैं। 5 लाख रुपये तक की विशेष सहायता से न केवल मुझे राहत मिली है, बल्कि मेरा परिवार भी अब चिंतामुक्त है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए वय वंदन कार्ड बनाने के लिए विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। घर-घर जाकर भी कार्ड बनाने का काम हो रहा है। इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिक अपना आधार कार्ड लेकर नजदीकी लोक सेवा केंद्र (च्वाइस सेंटर), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में निःशुल्क पंजीकरण करा सकते हैं। अधिक जानकारी या सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 104 पर संपर्क किया जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की इस संवेदनशील पहल ने वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य संबंधी चिन्ताएं दूर हो गई हैं। वरिष्ठ नागरिकों ने इसे वरदान बताते हुए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बोलकर ना सही मुस्कुराते चेहरे और हाथ जोड़कर जताया आभार

रायपुरः शासन से हितग्राही मूलक योजनाएं कैसे आमजन के जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाती है, इसका असर एक मूक-बधिर दंपति के जीवन में दिखाई दे रहा है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत रहने वाले दंपति श्री बैकुंठ दास और श्रीमती जयंती दास के पक्का मकान बनाने का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार हुआ है। जन्म से मूक-बधिर रहे दंपति को मिला उनका आशियाना

ब्रेकिंग न्यूज़ मिला अपना पक्का आशियाना

जरूरतमंदों तक पहुंच रहा शासन की योजनाओं का लाभ, मूक-बधिर दंपति हैं इसका प्रमाण

जन्म से मूक-बधिर रहे बैकुंठ दास और जयंती को रोजमर्रा की चीजों के लिए ही मशक्कत करनी पड़ती थी, ऐसे में उनका अपना पक्का घर बना पाना तो नामुमकिन ही था। उन्हें कच्चे मकान में अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब वे अपने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने नए पक्के आवास में सुरक्षित और आरामदायक जीवन जी रहे हैं, जिससे उनकी जीवनशैली में बहुत बड़ा बदलाव आया है। हितग्राही मूलक योजनाओं से जीवन हुआ आसान

शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं से मूक-बधिर दंपति का जीवन अब पहले से कहीं आसान हो गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना से न केवल उन्हें पक्का आवास मिला, बल्कि उन्हें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, वृद्धा पेंशन योजना और निःशुल्क खाद्यान्न जैसी अन्य योजनाओं का भी लाभ मिल रहा है। ये योजनायें उनके जीवन में एक नया सवेरा लेकर आई है। जिससे उनकी स्थिति में आज सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं ने मूक-बधिर दंपति के जीवनशैली में बड़ा बदलाव लाया है। इस दंपति से जब शासन द्वारा संचालित योजनाओं को लेकर इशारे में सवाल किए गए तो परिवार काफी भावुक हो गया, दोनों हाथ जोड़कर शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं के लिए शासन-प्रशासन को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार हो रहा है विस्तार

रायपुर: मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर राज्य के सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं में दिनों दिन वृद्धि हो रही है। इसका नतीजा है कि स्वास्थ्य सुविधा के क्षेत्र में पंडित नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय से संबध्द डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के प्रति लोगों का विश्वास दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है। इस संस्थान के विभिन्न विभागों के डॉक्टरों की समर्पित टीम एवं पैरामेडिकल स्टाफ की बदौलत जटिल से जटिल मेडिकल केस में डॉक्टरों को सफलता मिली है। यही वजह है कि न केवल राज्य बल्कि पड़ोसी राज्यों के मरीज भी यहां उपचार के लिए पहुंच रहे हैं । इसी कड़ी में हाल ही में अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट सर्जरी विभाग के डॉक्टरों की टीम ने मध्यप्रदेश निवासी एक मरीज की एक बार फिर सफल ओपन हार्ट सर्जरी की है। हार्ट सर्जरी का यह केस इसलिए विशेष है क्योंकि मरीज का हृदय मात्र 35 प्रतिशत ही काम कर रहा था। मरीज को रूमैटिक हार्ट डिजीज नामक बीमारी थी जिसके कारण मरीज के दो वाल्व क्रमशः एओर्टिक वाल्व और माइट्रल वाल्व में सिकुड़न थी एवं तीसरे वाल्व ट्राइकस्पिड वाल्व में लीकेज था। विभागाध्यक्ष हार्ट सर्जरी डॉ. कृष्णकांत साहू के नेतृत्व में हुए इस ऑपरेशन में मरीज के हृदय के इन दोनों वाल्व को टाइटेनियम मेटल के वाल्व से बदला गया एवं तीसरे वाल्व को रिपेयर किया गया। सर्जरी के पश्चात् मरीज के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है एवं एक-दो दिन बाद मरीज को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। यह ऑपरेशन शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान योजना के अंतर्गत पूर्णतया निशुल्क हुआ है। अम्बेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर कहते हैं कि अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों के साथ हमारी कोशिश रहती है कि मरीजों को बेहतर उपचार सुविधा का लाभ मिले। मध्यप्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों के मरीजों का भी आयुष्मान योजना के अंतर्गत यहां उपचार संभव हो रहा है। स्वास्थ्य सुविधाओं के ऐसे विस्तार ने अम्बेडकर अस्पताल के प्रति लोगों का भरोसा बरकरार रखा है। मध्यप्रदेश के अनूपपुर निवासी 52 वर्षीय मरीज को चार साल से सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। जरा सा भी काम करने पर सांस फूल रहा था। शुरूआत में स्थानीय डॉक्टरों द्वारा अस्थमा की बीमारी की तरह उपचार किया गया। बाद में दूसरे डॉक्टरों से जांच कराने पर पता चला कि मरीज के हार्ट के चार में से तीन वाल्व खराब हो गये हैं। चूंकि 3 वाल्व बदलना बहुत ही चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन होता है इसलिए मरीज के शुभचिंतकों ने उसे अम्बेडकर अस्पताल जाने की सलाह दी। फिर भी मरीज मध्यप्रदेश के जाने माने हार्ट सेंटर में गया परंतु वहां मरीज को विश्वास नहीं हुआ फिर अन्य सेंटर में 5 लाख से भी अधिक का खर्च बताया गया इसलिए अंततोगत्वा मरीज अम्बेडकर अस्पताल पहुंचा। अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट सर्जरी विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू के द्वारा मरीज की पुनः जांच की गई और उनको हार्ट के तीनों वाल्व के ऑपरेशन के बारे में बताया चूंकि इस मरीज की किडनी भी कमजोर थी एवं उसका क्रिएटिनिन भी 1.5 एमजी बढ़ा हुआ जिससे ऑपरेशन और अधिक रिस्की होने के बारे में बताया एवं कई बार ऐसे मरीजों की किडनी बाईपास के बाद खराब हो जाती है और डायलिसिस की नौबत आ सकती है फिर भी मरीज अपना ऑपरेशन अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट सर्जरी विभाग में कराने के लिए तैयार हो गया।

मरीज की बीमारी को रूमेटिक हार्ट डिजीज कहा जाता है। यह बीमारी बचपन में सर्दी-खांसी के ठीक से इलाज न कराने पर होता है। इस बीमारी में बचपन में स्ट्रेप्टोकोकस नामक बैक्टीरिया द्वारा गले में संक्रमण होता है जो सामान्य सर्दी-खांसी के रूप में होता है। जब यह बैक्टीरिया हमारे शरीर में प्रवेश करता है तब हमारे शरीर के प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा इस बैक्टीरिया के विरूद्ध एंटीबॉडी बनता है परंतु यह एंटीबॉडी बैक्टीरिया को न मारकर हमारे हृदय के वाल्व को ही बैक्टीरिया समझ कर उसको खराब करना प्रारंभ कर देता है। या यूं कहें कि यह एंटीबॉडी मिस गाइडेड मिसाइल की तरह होती है। यह बीमारी नार्थ एवं सेंट्रल इंडिया में सबसे ज्यादा मिलता है एवं साउथ इंडिया में सबसे कम। मेडिकल भाषा में मरीज रूमैटिक हार्ट डिजीज (आरएचडी) विद सीवियर माइट्रल स्टेनोसिस विद सीवियर एओर्टिक स्टेनोसिस प्लस ट्राइकस्पिड वॉल्व रिगर्गिटेशन नामक बीमारी से पीड़ित था। मरीज का माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट विद एओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट बाई, बाई लीफलेट मेटैलिक वाल्व विद डिवेगास ट्राइकस्पिड वाल्व रिपेयर नामक सर्जरी की गई।

मरीज ऑपरेशन के दूसरे दिन ही अपना नाश्ता और भोजन अपने हाथों करना शुरू कर दिया। पहले भी इस संस्थान में दूसरे प्रदेशों के मरीज का सफल ऑपरेशन हो चुका है। इसके पहले भी हरियाणा का एक मरीज दिल्ली में ऑपरेशन न कराकर अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट, चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग में अपना सर्जरी करवाया। इस मरीज की सर्जरी करने वाली टीम में विभागाध्यक्ष हार्ट सर्जरी डॉ. कृष्णकांत साहू के साथ कार्डियक एनेस्थेटिस्ट डॉ. संकल्प, क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट डॉ. श्रुति तुरकर, परफ्यूशनिस्ट राहुल एवं डिगेश्वर, ओटी टेक्नीशियन भूपेंद्र, हरीश, निराकार एवं नर्सिंग स्टाफ राजेन्द्र, नरेन्द्र, चोवा एवं दुष्यंत आदि शामिल थे।